# सफलता का रहस्य है बड़ी संख्या में लोगों को नाराज करना-बर्नाड श


तेवर वही, अंदाज नया .....!
साप्ताहिक

# उज्जैन टाइम्स

डाक रजिस्ट्रेशन नं. मालवा डिवीजन-
L2/65/RNP/397/2024-2026

प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा

RNI No. 7583/61

● वर्ष : 63, अंक : 26 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 26-03-2024 से 01-04-2024 तक ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 2 रुपये


# भस्म आरती के दौरान उड़ा गुलाल और झुलस गए पुजारी, महाकाल मंदिर के गर्भगृह में कैसे भड़की आग?

**उज्जैन।** महाकाल मंदिर में हुए हादसे से हड़कंप मच गया है। यहां गर्भगृह में भस्म आरती के समय होली खेलते वक्त अचानक आग लग गई जिसमें 13 पुजारियों के झुलसने की खबर हैं। आग लगते ही मंदिर में अफरातफरी मच गई जिसके बाद तुरंत एंबुलेंस बुलाकर घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है जिसमें आरती के दौरान अचानक आग भड़कती नजर आ रही है। वीडियो में देखा जा सकता है कि गर्भगृह में भस्म आरती के दौरान होली खेली जा रही है। अचानक गुलाल उड़ता है और आग भड़क जाती है। बताया जा रहा है कि इस घटना के बाद अफरा तफरी मच गई और तुरंत जगह को खाली कराया गया। बताया जा रहा है कि आरती के दौरान गुलाल उड़ाने से आग भड़की है। हादसे के समय मंदिर में हजारों श्रद्धालु महाकाल के साथ होली मना रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार गर्भगृह में पुजारी आरती कर रहे तभी पुजारी संजीव पर पीछे से किसी ने गुलाल डाला। गुलाल दीपक पर गिरा। अनुमान है कि गुलाल में कोई केमिकल ऐसा था जिससे आग भड़क गई। गर्भगृह में लगी चांदी की परत को रंग-गुलाल से बचाने के लिए फ्लैक्स लगाए गए थे। इसमें भी आग लग गई। कुछ लोगों ने फायर एक्सटिंग्विशर से आग पर काबू पर पाया। लेकिन, तब तक गर्भगृह में मौजूद आरती कर रहे संजीव पुजारी,

विकास, मनोज, सेवाधारी आनंद, कमल जोशी समेत 13 लोग झुलस गए।

**गृह मंत्री अमित शाह ने की सीएम से बात**

हालात का जायजा लेने के लिए गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से बात की और हर जरूरी सहायता उपलब्ध कराने के लिए कहा। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने कहा, उज्जैन के श्री महाकाल मंदिर में आग लगने की घटना के संबंध में मुख्यमंत्री मोहन यादव से बात कर जानकारी ली। स्थानीय प्रशासन घायलों को सहायता व उपचार उपलब्ध करवा रहा है। मैं बाबा महाकाल से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

मंदिर के पुजारी प्रदीप गुरु ने बताया कि होली पर महाकाल मंदिर में हर दिन की तरह ही भस्म आरती हो रही थी। त्योहार पर भक्त होली खेल रहे थे। इस दौरान कपूर आरती हो रही थी। माना जा रहा है कि गुलाल में किसी प्रकार का केमिकल मिला होने से उड़कर कपूर आरती पर गिरा जिससे यह हादसा हुआ है।

उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह के अनुसार स्थिति नियंत्रण में है। मामले की जांच के लिए टीम गठित की जाएगी अभी तक आठ लोगों को रेफर किया जा चुका है। उज्जैन कलेक्टर नीरज सिंह ने महाकाल हादसे पर मजिस्ट्रेटल जांच के निर्देश दिए हैं और 3 दिन में इसकी रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

## लोकसभा 2024 का चुनाव

# 400 पार का धर्मयुद्ध

लोकसभा 2024 का चुनाव वस्तुतः एक धर्मयुद्ध है। इसको बहुत

संजीदगी से सभी को लड़ना ही होगा। राजनीतिक जय-पराजय अपनी जगह है किंतु देश को जीतना चाहिए। राष्ट्र विजयी हो, ऐसा संकल्प होना चाहिए। इसके लिए प्रतिज्ञा की नहीं केवल संकल्प की आवश्यकता है। प्रतिज्ञा में शक्ति नहीं होती। वह भीष्म बनाती है किंतु संकल्प शक्ति से भरी होती है। वह शिव बनाती है। शिव कल्याणकारी हैं। शिव से ही सत्य और सुंदर भी स्थापित हो पायेंगे। संकल्प और प्रतिज्ञा के बारे में श्रीमदभगवदगीता में भगवान कृष्ण ने बहुत सलीके से समझा दिया है। याद कीजिए कि जब जयद्रथ को मारने की प्रतिज्ञा अर्जुन कर लेते हैं कि सूर्यास्त तक नहीं मारा तो अग्नि समाधि ले लूंगा।

आचार्य द्रोण कमलव्यूह के अंदर जयद्रथ को छुपा देते हैं जिसका आकर 32 कोस का था। जाहिर है वह उस तक कैसे पहुँचते ! जयद्रथ की सुरक्षा में बड़े बड़े वीर तैनात थे। भगवान कृष्ण बोले, अर्जुन तुम रास्ता साफ करो मैं रथ ले चलता हूँ। संध्या हो आई अब भी 12 कोस रह गया। कृष्ण रथ से उतर गये। अर्जुन ने पूछा, केशव यह क्या? कृष्ण ने कहा अश्व थक गये हैं। आगे बोलते हुये भगवान कृष्ण जो बोले वह ध्यान देने योग्य है।अर्जुन कदाचित तुमने मेरे उपदेश पर ध्यान नहीं दिया था जो युद्ध के शुरू में मैंने दिया था ! तुम प्रतिज्ञा करने वाले होते कौन हो ? तुम तो निमित्त हो, यदि तुम प्रतिज्ञा न किये होते तो अब तक जयद्रथ को मार देते। तुम्हारा ध्यान एक तरफ सूर्य पर है दूसरी तरफ जयद्रथ पर। इसलिये तुम्हारे निशाने चूक रहें हैं। ऐसा लक्ष्य तय कर दिये कि असफल होने पर तुम्हें ही विनष्ट कर देगा.... यह डर ही तुम्हें हरा देगा। भगवान के वचन बड़े सारगर्भित हैं। मुझे नहीं लगता आज तक किसी ने इतनी सुंदर यथार्थ बात की हो । कई संदर्भों में बात हो सकती है, लेकिन वर्तमान में देखिये सब प्रतिज्ञाबद्ध हो रहे हैं। यह क्या बात हुई कि अनुच्छेद 370 हटा दो तभी समर्थन करेंगे। पाकिस्तान पर हमला कर दो... भी समर्थन करेंगे। राममंदिर बना दो... तभी समर्थन करेंगे। श्रीराम मंदिर बन गया। 370 हट चुका। तीन तलाक भी हट गया। सीएए भी लागू हो गया। देश के गृहमंत्री ने ताल ठोक कर डंके की चोट पर संकल्प दोहरा दिया कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भी हमारा है। ध्यान दीजिए, भाजपा प्रतिज्ञा पत्र नहीं जारी करती, वह हर चुनाव में संकल्प पत्र जारी करती है।

नेतृत्व सक्षम है किसी प्रतिज्ञा की आवश्यकता क्या है? सक्षम नेतृत्व केवल संकल्प लेता है और उसे हर हाल में पूरा भी करता है। आगे भी निश्चित ही दंडात्मक कार्य होगा और हो

रहा है। यह ठीक है कि इस समय भावना प्रबल है परंतु इसी समय सुनियोजित तरीके से काम करने की आवश्यकता है। जो विरोधी हैं वह भी यही ढाल बना रहे हैं। फिलहाल उनसे न 370 से मतलब है न राम मंदिर से।

## सम्पादकीय

# केजरीवाल और जेल

कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने स्थापित परंपरा से अलग जाते हुए जेल से सरकार चलाने का जो फैसला किया है, उसने एक नए विवाद और नए विमर्श को जन्म दिया है। विवाद इसलिए कि पूर्व में जब भी ऐसी परिस्थिति पैदा हुई, तो संबंधित मुख्यमंत्री ने हिरासत में लिए जाने से पहले अपना त्यागपत्र सौंप दिया। उन मुख्यमंत्रियों के इस्तीफे राजनीतिक शुचिता और सांविधानिक गरिमा की रक्षा के नैतिक दबाव से प्रेरित रहे। मगर, केजरीवाल के रुख ने विरोधियों को उन पर हमले का मौका मुहैया करा दिया है। उनका आरोप है कि मुख्यमंत्री पूछताछ के लिए ईडी की हिरासत में हैं, तो उनके पास लेखन सामग्री कहां से आई कि वह अपने मंत्रियों को निर्देश जारी कर रहे हैं? अब उन्होंने इस मामले की जांच कराने की मांग कर डाली है। जाहिर है, आम चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, केजरीवाल और उनकी पार्टी के मौजूदा रुख के पीछे जहां दिल्ली व देश के मतदाताओं तक यह पैगाम पहुंचाना है कि सलाखों के पीछे भी आपके हितों के लिए मुख्यमंत्री सक्रिय हैं, तो वहीं भाजपा व एनडीए का पूरा प्रयास उनके इस कदम को अनैतिक ठहराने का है।

राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों से परे इस प्रकरण ने देश और समाज के आगे विमर्श का एक गंभीर मुद्दा पेश किया है, क्योंकि संविधान इस संदर्भ में मौन है। संविधान यही कहता है कि मंत्रियों की एक परिषद होगी, जो शासन संबंधी फैसले लिया करेगी और मंत्रिपरिषद का मुखिया मुख्यमंत्री होगा।

मंत्रिपरिषद की बैठक की सदारत के लिए मुख्यमंत्री की उपस्थिति की भी बाध्यता नहीं है, काबीना का वरिष्ठतम मंत्री यह दायित्व निभा सकता है। ऐसे में, सरकार के दैनंदिन कार्यों में फौरी तौर पर कोई खास व्यवधान नहीं आने वाला। फिर जेल मैनुअल भी विचाराधीन कैदियों को सप्ताह में एक दिन मुलाकात का मौका देता है और यह भी प्रावधान है कि सभी कैदी पंद्रह दिनों में एक बार अपने रिश्तेदारों, साथियों, कानूनी सलाहकारों को पत्र लिख सकते हैं। ऐसे में, यह सवाल स्वाभाविक है कि यदि यह मामला लंबा खिंचता है, तो क्या इस विधानसभा के शेष कार्यकाल में दिल्ली सरकार जेल से चलेगी?

निस्संदेह, केंद्र अभी इस स्थिति को लेकर कोई नीतिगत फैसला नहीं कर सकता, क्योंकि आम चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मगर इस कथित घोटाले में जांच एजेंसियों की दक्षता को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। कई लोग पूछ रहे हैं कि इतने महीनों बाद भी इस मामले में ट्रायल क्यों नहीं शुरू हुआ? नैतिकता का कोई सवाल एकांगी नहीं होता। किसी अन्य से नैतिकता की अपेक्षा करते हुए खुद भी मजबूत नैतिक धरातल पर खड़े रहना पड़ता है, वरना उसका कोई मूल्य नहीं रह जाता। दुर्योग से पिछले कुछ समय से हमारे समूचे राजनीतिक माहौल में जिस एक चीज का सबसे अधिक ह्रास हुआ है, वह नैतिकता ही है। इसलिए अगली संसद से यह अपेक्षा की जाएगी कि वह ऐसे मसलों पर वैधानिक स्थिति को स्पष्ट करे। ऐसे गंभीर मसलों में, जिसमें किसी गिरफ्तारी से एक निर्वाचित सरकार का कामकाज आंशिक रूप से भी प्रभावित हो, जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी भी तय की जानी चाहिए।

इससे न सिर्फ उनकी निष्पक्षता मजबूत होगी, बल्कि प्रतिशोध की राजनीति के लिए गुंजाइश भी कम होगी। इस विमर्श को एक वैधानिक अंजाम तक ले जाने के लिए नई संसद में पक्ष-प्रतिपक्ष को एकराय होना होगा।

# भारत में 80 फीसदी युवा बेरोजगार : रिपोर्ट

इसी हफ्ते जारी अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के कुल बेरोजगारों में 80 फीसदी युवा हैं। 'द इंडिया इंपलॉयमेंट रिपोर्ट 2024 के मुताबिक पिछले करीब 20 सालों में भारत में युवाओं के बीच बेरोजगारी लगभग 30 फीसदी बढ़ चुकी है। साल 2000 में युवाओं में बेरोजगारी दर 35.2 फीसदी थी जो 2022 में बढ़कर 65.7 फीसदी हो गई।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और इंस्टिट्यूट ऑफ ह्यूमन डिवेलपमेंट (आईएचडी) ने मिलकर यह रिपोर्ट तैयार की है। रिपोर्ट कहती है कि हाई स्कूल या उससे ज्यादा पढ़े युवाओं में बेरोजगारी का अनुपात कहीं ज्यादा है।

रिपोर्ट को तैयार करने वाली टीम के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नोगेश्वन ने इस रिपोर्ट को जारी करते हुए बताया कि साल 2000 से 2019 के बीच युवाओं के बीच बेरोजगारी लगातार बढ़ी जबकि कोविड महामारी के बाद बेरोजगारी दर में कमी आई।

नोगेश्वन ने कहा, साल 2000 से 2019 के बीच युवाओं में बेरोजगारी दर 5.7 फीसदी से बढ़कर 17.5 फीसदी हो गई। लेकिन 2022 में यह कम होकर 12.4 फीसदी पर आ गई।

### महिलाएं सबसे ज्यादा बेरोजगार

सबसे ज्यादा बेरोजगारी ग्रैजुएट डिग्री धारकों में पाई गई। इनमें महिलाएं सबसे ज्यादा प्रभावित समूह था। 2022 में ऐसी महिलाओं की संख्या पुरुषों के मुकाबले पांच गुना ज्यादा थी जो ना तो कोई नौकरी कर रही थीं और ना ही किसी तरह की पढ़ाई या ट्रेनिंग कर रही थीं।

ऐसी महिलाओं की संख्या 48.4 फीसदी थी जबकि पुरुषों की मात्र 9.8 फीसदी। यानी बेरोजगारों में महिलाएं लगभग 95 फीसदी थीं। रिपोर्ट कहती है, युवा महिलाओं के बेरोजगार होने की संभावना पुरुषों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। 20-24 वर्ष और 25-29 वर्ष आयु वर्ग की महिलाओं में यह चलन सबसे ज्यादा पाया गया है। भारत में रोजगार मुख्यतया या तो अनौपचारिक है या फिर लोग अपना काम कर रहे हैं। साल 2000 से 2022 के बीच औपचारिक नौकरी कर रहे लोगों की संख्या मात्र 10 फीसदी रही जबकि 90 फीसदी लोग या तो अपना काम कर रहे हैं या फिर अनौपचारिक रोजगार कर रहे हैं।

साल 2000 के बाद से औपचारिक रोजगार का अनुपात लगातार बढ़ रहा था लेकिन 2018 के बाद इसमें भारी गिरावट आई है। ठेके पर आधारित नौकरियों में इजाफा हुआ है जबकि बहुत कम लोग नियमित और लंबी अवधि के अनुबंध वाली नौकरियों में हैं। रिपोर्ट कहती है, नौकरीपेशा लोगों का एक बहुत ही छोटा हिस्सा है जिन्हें लंबी अवधि के अनुबंध मिले हैं।

लेकिन चिंता की बात यह बताई गई है कि स्थायी नौकरीपेशा लोगों की आय 2019 के बाद से या तो स्थिर रही है या फिर कम हुई है। 2012 से 2022 के बीच अनौपचारिक रोजगार करने वालों की आय में कुछ वृद्धि हुई है।

### युवाओं में कौशल की कमी

भारत सबसे ज्यादा युवा आबादी वाले देशों में से एक है और इसे देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़े लाभ के रूप में देखा जाता है लेकिन आईएलओ की रिपोर्ट में इस बात को लेकर चिंता जताई गई है कि अधिकतर युवाओं में जरूरी कौशल की कमी है रिपोर्ट बताती है कि 75 फीसदी युवा ईमेल में अटैचमेंट के साथ डॉक्युमेंट भेजने तक में सक्षम नहीं हैं। 60 फीसदी युवा कंप्यूटर पर कॉपी-पेस्ट जैसे बहुत सामान्य काम भी नहीं कर पाते जबकि 90 फीसदी युवाओं को स्प्रैडशीट पर गणित के फॉर्म्युलों का प्रयोग करना नहीं आता।

2021 में भारत में युवाओं की आबादी 27 फीसदी थी जो 2036 तक घटकर 21 फीसदी हो जाएगी। यानी हर साल 70 से 80 लाख युवा रोजगार चाहने वालों की लाइन में जुड़ रहे हैं। लेकिन आमतौर पर उपलब्ध रोजगार कम गुणवत्ता वाला है और अधिकतर अनौपचारिक काम ही उपलब्ध है। नोगेश्वन ने कहा कि फिलहाल नौकरियां देने का ज्यादातर काम सरकार ने संभाल रखा है जबकि उद्योग जगत को इस मामले में बढ़त लेने की जरूरत है। साथ ही, रिपोर्ट में गैर-कृषि रोजगार बढ़ाने के लिए नीतियों में बदलाव की जरूरत पर भी जोर दिया गया है, ताकि आने वाले सालों में बेरोजगारों की लाइनों को और लंबा होने से रोका जा सके।

# केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने कहा, मैंने इस बार चुनाव न लड़ने का 'कठिन फैसला किया है'

**नई दिल्ली।** केंद्रीय मंत्री और वर्तमान लोक सभा में गाजियाबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह ने कहा वह इस बार लोक सभा का चुनाव नहीं लड़ेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को घोषित पार्टी के लोक सभा उम्मीदवारों की पांचवीं सूची में जनरल सिंह की जगह गाजियाबाद सीट से पार्टी अतुल गर्ग को उम्मीदवार घोषित किया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग तथा नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री सिंह ने डिजिटल संवाद-मंच एक्स पर शाम को एक बयान में कहा, मैंने एक कठिन, परंतु विचारपूर्ण निर्णय लिया है। मैं 2024 के चुनावों में नहीं लड़ूंगा। यह निर्णय मेरे लिए आसान नहीं था, परंतु मैंने इसे अपने दिल की गहराइयों से लिया है। मैं अपनी ऊर्जा और समय को नई दिशाओं में ले जाना चाहता हूँ, जहाँ अपने देश की सेवा अलग तरीके से कर सकूं। उन्हों ने लिखा, 'मैंने सैनिक के रूप में इस राष्ट्र की सेवा में अपना सारा

जीवन समर्पित किया है। पिछले 10 वर्षों से, मैंने गाजियाबाद को एक विश्व स्तरीय शहर बनाने के सपने को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम किया है। इस यात्रा में, देश और गाजियाबाद के नागरिकों के साथ-साथ भाजपा के सदस्यों का जो विश्वास और प्रेम मुझे प्राप्त हुआ है, उसके लिए मैं आभारी हूँ। यह भावनात्मक बंधन मेरे लिए अमूल्य है। जनरल सिंह ने लिखा है कि उन्होंने इन भावनाओं के साथ यह कठिन निर्णय लिया है। उन्होंने लिखा कि वह एक सैनिक के रूप में उन्होंने इस राष्ट्र को अपना सारा जीवन समर्पित किया है।

# क्यों बढ़ रही विपक्ष की मुसीबतें

**दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ईडी द्वारा उनकी गिरफ्तारी और एक निचली अदालत द्वारा दी गई रिमांड को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। हाई कोर्ट में उनकी याचिका पर सुनवाई चल रही है।**

लेकिन राजनीतिक रूप से उनकी पार्टी कई समस्याओं से जूझ रही है। केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया है, जिसका मतलब है वह एक तरह से हिरासत में होते हुए सरकार चला रहे हैं।

### चुनाव लड़ने की जगह प्रदर्शन में व्यस्त

अभी तक हिरासत से उन्होंने अपने मंत्रिमंडल के लिए दो आदेश भी दिए हैं, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि ईडी इन फैसलों की वैधता की भी जांच कर रही है।

केजरीवाल का हिरासत में होना

सिर्फ दिल्ली के प्रशासन के नजरिए से ही नहीं बल्कि पार्टी के चुनावी अभियान के नजरिए से भी महत्वपूर्ण है। जिन जिन राज्यों में पार्टी की चुनावी और राजनीतिक मौजूदगी है, वहां केजरीवाल ही पार्टी का मुख्य चेहरा हैं। इस समय अगर वो हिरासत में नहीं होते तो पार्टी के उम्मीदवारों के लिए कैंपेन कर रहे होते। उनकी गैर-मौजूदगी में पार्टी का स्टार कैंपेनर अभियान से गायब है। इसके अलावा पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी चुनावी अभियान में शामिल होने की जगह प्रदर्शनों में व्यस्त होने पर मजबूर हैं। आप मुसीबतों से घिर जाने वाली अकेली विपक्षी पार्टी नहीं है। कांग्रेस भी एक बड़ी समस्या का सामना कर रही है। हाल ही में आयकर विभाग ने पार्टी का बकाया टैक्स वसूलने के लिए उसके बैंक खातों से 135 करोड़ रुपए ले लिए थे। अब यह संकट और बड़ा होने की संभावना है।

### चुनाव लड़ने के लिए पैसों की कमी

विभाग ने पार्टी के खातों में 2014 से 2021 के बीच 523।87 करोड़ रुपयों के मूल्य का बेहिसाब लेन-देन पाया है और इसके लिए वह पार्टी से और भी भारी रकम वसूल सकता है।

### राहुल गांधी का जादू कितना चलेगा?

कांग्रेस नेता और अधिवक्ता विवेक तन्खा ने बताया कि पार्टी को आशंका है कि विभाग इन 523।87 करोड़ रुपयों में भारी जुरमाना और ब्याज जोड़ कर पार्टी को नोटिस जारी कर सकता है। इससे पहले उसके खातों से 135 करोड़ रुपये ले लिए जाने के खिलाफ पार्टी ने आयकर अपीलेट ट्रिब्यूनल में अपील की थी उसकी अपील को नामंजूर कर दिया गया था। अब पार्टी के नेताओं का कहना है कि उनके सामने एक भारी वित्तीय संकट खड़ा है। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने भी कहा है कि इस समय पार्टी के पास ना विज्ञापन देने के पैसे हैं, ना चुनावी उम्मीदवारों को देने के लिए और ना नेताओं की यात्राओं के लिए।

# शाजापुर में होली की अनोखी परंपरा, दहकते अंगारों पर चले लोग

**शाजापुर। देश में अलग-अलग हिस्सों में होली का त्योहार अलग-अलग मान्यताओं और परंपराओं के अनुसार बनाया जाता है। कई जगह फूलों से तो कहीं पर रंग गुलाल लगाकर तो कही लट्ठ बरसातें हुए होली खेलते हैं।**

लेकिन मध्यप्रदेश के शाजापुर जिले में दहकते अंगारों पर चलकर होली खेलने की परंपरा बारे में जानकार हैरान रह जाएंगे। इस पर यकीन कर पाना थोड़ा मुश्किल है। लेकिन लोग यंहा आग पर चलकर होली मनाते हैं। यह परंपरा हर साल उन लोगों द्वारा निभाई जाती है जिनकी मन्नत पूरी होती है।

शाजापुर जिले में होली के पर्व पर एक अनोखी परंपरा का निर्वहन होता है। अब इसे आस्था कहें या अंधविश्वास, यहां गल महादेव मंदिर के बाहर कंडे से बने अंगारों पर ग्रामीण जन चलते हैं और अपनी मांगी हुई मन्नत को पूरी करते हैं। बताया जाता है कि इन अंगारों पर चलने पर ग्रामीण अपनी मन्नत मांगते हैं और पूरी होने पर अंगारों पर चलकर पूरी करते हैं हालांकि यह परंपरा कब शुरू हुई इस मामले में गांव के किसी व्यक्ति को नहीं मालूम है लेकिन यह परंपरा सालों से चली आ रही है जानकारी के अनुसार, शाजापुर जिले के ग्राम पोलाय खुर्द में गल महादेव मंदिर के बाहर बड़े ही अनूठे ओर अनोखी परंपरा का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। मंदिर के बाहर गोबर से बने कंडे से अंगारे बनाये जाते है। और उस दहकते अंगारों पर गांव के लोग, बच्चे, बूढ़े, महिला पुरुष नंगे पैर होकर गुजरते है। सबसे खास बात ये है कि ये कार्यक्रम साल में महज एक बार होली के दिन आयोजित होता है। धधकते अंगारों पर

चलने की परंपरा कई पीढ़ियों से चली आ रही है। ऐसी ग्रामीणों की आस्था और मान्यता है कि यहां पर धड़कते हुए अंगारों पर चलने से गल महादेव भक्तों की इच्छा पूरी करते हैं।

### गर्म अंगारों पर चलने से पैरों पर नहीं पड़ते छाले

ग्रामीणों का दावा है कि इतने गरम अंगारों पर चलने के बाद भी न तो उनके पैरों में छाले पड़ते हैं और न ही किसी तरह की तकलीफ होती है। ग्रामीणों ने बताया कि आयोजन शाम 9 बजे मंदिर प्रांगण में प्रारंभ होता है। जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु भाग लेते हैं। ग्रमीण बताते है कि गल महादेव मंदिर में विशेष पूजा अर्चना के बाद में पलास की लकडी में आग लगाकर के अंगारे बनाए जाते हैं इसके बाद जलते हुए अंगारों पर गल महादेव की पूजा अर्चना करने के पश्चात नंगे पैर अंगारों पर निकलने का सिलसिला शुरू होता है। गल महादेव महादेव के यहां पर जो भी भक्त मन्नत मांगता है। उस भक्तों की मन्नत बाबा एक वर्ष में पूरी करते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह परंपरा उनके गांव में कब शुरू हुई, इस बात की कोई सटीक जानकारी तो उनके पास नहीं है।. लेकिन बुजुर्ग ग्रामीणों के अनुसार यह परंपरा कई साल से चली आ रही है।. इसलिए बुजुर्गों के कहने पर हर साल गांव में यह परंपरा होली पर निभाई जाती है।

# कांग्रेस सांसद रवनीत सिंह बिट्टू भाजपा में शामिल

**लुधियाना।** पंजाब में लुधियाना से कांग्रेस के सांसद रवनीत सिंह बिट्टू भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए और उन्होंने पंजाब के किसानों, मजदूरों, उद्योगपतियों, नौजवानों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के मिशन से जोड़ने का संकल्प लिया।

भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, पार्टी में चुनाव समिति के प्रमुख ओम पाठक और राष्ट्री य मीडिया सह प्रभारी संजय मयूख ने श्री बिट्टू को सदस्यता पर्ची सौंपी तथा गुलदस्ते के साथ अंगवस्त्र पहना कर भाजपा में उनका स्वागत किया। ऐसा अनुमान है कि श्री बिट्टू लुधियाना से भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे।

श्री तावड़े ने कहा कि श्री बिट्टू के दादाजी सरदार बेअंत सिंह पंजाब के मुख्यमंत्री रहे। अब वह श्री मोदी की विकसित भारत की यात्रा को पंजाब में आगे ले जाने के लिए आए हैं। विश्वास है कि पंजाब में भाजपा को मज़बूत करने में वह अपना दायित्व मजबूती से निभाएंगे।

श्री बिट्टू ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से 10 साल से उनके घनिष्ठ संबंध रहे हैं। श्री मोदी और श्री शाह पंजाब से बहुत प्यार करते हैं।

वह पुल बन कर पंजाब के किसानों, मजदूरों, उद्योगपतियों, नौजवानों को श्री मोदी के विकसित भारत के मिशन से जोड़ेंगे। बीते 10 साल में देश को आगे बढ़ाने के लिए जो काम हुआ है, उसमें पंजाब क्यों पीछे रहे। उन्होंने कहा कि हम पंजाब के हर वर्ग को भाजपा से जोड़ेंगे।

# अनिल फिरोजिया के सामने महेश परमार

**उज्जैन। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में लोकसभा के 12 प्रत्याशी की घोषणा कर दी है। इसमे उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र से तराना से कांग्रेस विधायक महेश परमार को उम्मीदवार घोषित किया गया है। प्रत्याशी की घोषणा के बाद, लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के महेश परमार और भाजपा के अनिल फिरोजिया एक बार फिर आमने-सामने हैं। विधानसभा चुनाव में साल 2018 में कांग्रेस के महेश परमार सांसद अनिल फिरोजिया को हार चुके हैं। अब दोनों प्रत्याशी उज्जैन आलोक संसदीय क्षेत्र से एक बार फिर आमने-सामने हो रहे हैं इसको देखते हुए इस संसदीय सीट पर मुकाबला रोचक होने की संभावना बन रही है।**

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में म.प्र. के लिए 12 प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर दी है। कांग्रेस के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह राजगढ़ सीट से प्रत्याशी बनाया गया है। रतलाम से कांतिलाल भूरिया चुनाव लड़ेंगे ओर इंदौर से अक्षय कांति बम को टिकट दिया गया है। जबकि भोपाल से अरुण श्रीवास्तव के नाम पर मुहर लगी है। कांग्रेस ने अब तक दो बार में मध्यप्रदेश की 22 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। हालांकि अभी 6 सीटें होल्ड पर हैं। इनमें गुना, विदिशा, ग्वालियर, मुरैना, खंडवा और दमोह सीट शामिल हैं। कांग्रेस ने खजुराहो सीट सपा के लिए छोड़ी है।

उज्जैन आलोट लोकसभा से कांग्रेस से तराना विधायक महेश परमार को लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाया गया है। इसके पहले भाजपा ने लोकसभा के लिए सांसद अनिल फिरोजिया पर भरोसा जताया है। 2018 के विधान सभा चुनाव में अनिल फिरोजिया ओर महेश परमार आमने सामने हो चुके है। हलाकि इस चुनाव में 2 हजार के करीब वोटो से भाजपा के अनिल फिरोजिया कांग्रेस के महेश परमार से चुनाव हार गए थे। अब लोकसभा चुनाव में दोनों प्रत्याशी एक बार फिर आमने-सामने हो रहे हैं। उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र भाजपा का गढ़ माना जाता है लेकिन इन दोनों प्रत्याशियों के आमने-सामने होने पर मुकाबला रोचक होने की संभावनाएं बढ़ गई है।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 2 बार विधानसभा चुनाव जीते महेश परमार पर अपना दांव लगा दिया है। महेश परमार छात्र राजनीति से आये है और उसके बाद जनपद चुनाव लड़े, महेश उज्जैन जिले के जिला पंचायत अध्यक्ष रहे है, वहीं 2 बार के कांग्रेस की तराना सीट से विधायक है। साथ ही महेश पोस्ट ग्रेजुएट, और जनता की बीच अच्छी पकड़ के नेता मने जाते है। 2018 विधानसभा चुनाव में भाजपा के सांसद अनिल फिरोजिया को चुनाव हरा चुके है।

भाजपा सांसद अनिल फिरोज की बात करें तो तराना से विधानसभा हारने के बाद 2019 में लोकसभा चुनाव लड़े और 2 लाख 75 हज़ार के करीब वोटो से लोकसभा चुनाव जीते। अनिल फिरोजिया संघ के करीबी माने जाते हैं और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के साथ नितिन गडकरी और पीएम मोदी के खास समर्थक बताए जाते हैं।

कांग्रेस और भाजपा से उज्जैन आलोट संसदीय से कांग्रेस और भाजपा के घोषित प्रत्याशी शिक्षित हैं। दोनों ही प्रत्याशियों का अच्छा खासा जन आधार माना जाता है। भाजपा के अनिल फिरोजिया वर्तमान में सांसद हैं और एक बार फिर इसी संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं कांग्रेस के महेश परमार भी पढ़े लिखे पोस्ट ग्रेजुएट है जिला पंचायत अध्यक्ष रहने का इन्हें भरपूर फायदा मिलने की उम्मीद है महेश तराना विधानसभा से दो बार के विधायक है और कमलनाथ समर्थक बताए जाते हैं।

**2 जीते विधायकों पर भरोसा**

कांग्रेस ने अपनी दूसरी लिस्ट जारी की है इसमें एमपी के 12 लोकसभा उम्मीदवारों की घोषणा की है। दूसरी लिस्ट में कांग्रेस ने अपने दो सिटिंग एमएलए पर भरोसा जताया है तो साथ ही दो बार सांसद रहे दिग्विजय सिंह को भी राजगढ़ सीट से मौका दिया गया है। बता दें कि दिग्विजय सिंह राजगढ़ सीट से दो बार सांसद रहे हैं। आखिरी बार वे 1991 में यहां से चुनाव जीतकर सांसद बने थे। अब 33 साल बाद एक बार फिर दिग्विजय सिंह राजगढ़ सीट से चुनावी मैदान में हैं। दिग्विजय सिंह 2019 का लोकसभा चुनाव भोपाल सीट से लड़ा था। इस चुनाव में वे हार गए थे। साथ ही इस लिस्ट में 2 सीटिंग विधायकों को टिकट दिया है। इनमें उज्जैन से महेश परमार और शहडोल से फूंदेलाल मार्को को चुनावी मैदान में उतारा गया है।

# मॉर्गन स्टेनली ने भारत की जीडीपी के पूर्वानुमान को बढ़ाकर 6.8 फीसदी किया

**नई दिल्ली।** एसएंडपी ग्लोबल के बाद मॉर्गन स्टेनली ने भी अपने पूर्वानुमान में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि के संकेत दिए है। मॉर्गन स्टेनली ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी वृद्धि का पूर्वानुमान 6.50 फीसदी से बढ़ाकर 6.80 फीसदी कर दिया है। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2023-24 के लिए विकास दर को संशोधित कर 7.90 फीसदी कर दिया है।

वैश्विक ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली ने जारी पूर्वानुमान में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर 6.80 फीसदी कर दिया है, जो पिछले अनुमान 6.50 फीसदी से 30 आधार अंक अधिक है। वित्तीय सेवा कंपनी ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए विकास दर के पूर्वानुमान को भी संशोधित कर 7.90 फीसदी कर दिया है। मॉर्गन स्टेनली को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2023-24 की 31 मार्च को समाप्त होने वाली चौथी तिमाही में लगभग सात फीसदी की अनुमानित वृद्धि दर के साथ भारत की जीडीपी वृद्धि मजबूत रहेगी।

वैश्विक वित्तीय सेवा फर्म का यह अनुमान भारत की आर्थिक स्थिति पर एक आशावादी दृष्टिकोण के मद्देनजर सामने आया है। मॉर्गन स्टेनली ने देश की ताकत और स्थिरता पर अपना भरोसा जताया है। कंपनी को वित्त वर्ष 2022-25 में ग्रामीण-शहरी उपभोग और निजी-सार्वजनिक पूंजीगत व्यय के बीच बढ़ते अंतर के साथ विकास की यह गति व्यापक होने की उम्मीद है। मॉर्गन स्टेनली एक वैश्विक वित्तीय सेवा फर्म है, जिसका मुख्यालय अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में स्थित है।

उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने अगले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी वृद्धि दर सात फीसदी रहने का अनुमान जताया है जबकि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में आर्थिक वृद्धि दर 7.30 फीसदी रहने का अनुमान है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीडीपी में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.30 फीसदी रहने का अनुमान जताया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 7.20 फीसदी के मुकाबले अधिक है।

# घोटाला करने वाला, जेल से सरकार चलाना चाहता है : भाजपा

**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि आबकारी नीति में घोटाला जैसा शर्मनाक काम करके जेल गया व्यक्ति जेल से सरकार चलाना चाहता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि श्री केजरीवाल में नैतिकता नाम की चीज नहीं है। वह पहले एनजीओ बना कर फिर राजनीति में केवल जेबें भरने आए थे। उन्होंने एक भ्रष्ट सरकार चलायी है और यही कारण है उनके तमाम मंत्री, सांसद और यहां तक की वह स्वयं जेल में हैं। श्री केजरीवाल दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में कथित तौर पर गड़बड़ी में धन के लेन देन के आरोप में 28 मार्च तक प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में हैं। रविवार को उनके सहयोगियों की ओर से उनका एक कथित पत्र जारी किया गया जिसमें उन्होंने दिल्ली में पानी और सीवर की व्यवस्था में सुधार के लिए काम करने को कहा है।

# 238 बार मिली हार, फिर चुनाव मैदान में

**चेन्नई (तमिलनाडु)।** टायर मरम्मत की दुकान चलाने वाले 65 वर्षीय के. पद्मराजन स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले की संसदीय सीट से चुनाव मैदान में हैं। इलेक्शन किंग के नाम से मशहूर के. पद्मराजन एक तस्वीर दिखाते हुए खुद को दुनिया का सबसे अधिक चुनाव हारने वाला प्रत्याशी बता रहे हैं।

1988 में तमिलनाडु के अपने गृह नगर मेट्टूर से चुनाव लड़ने की शुरुआत करने वाले के. पद्मराजन इस सीट पर 238 बार अलग-अलग चुनाव हार चुके हैं। उन्होंने बड़े ही खास अंदाज में बताया कि जब अपनी टोपी रिंग में फेंकी तो लोग हँसे लेकिन वह यह साबित करना चाहते हैं कि एक सामान्य आदमी भी भारत के चुनाव में भाग ले सकता है। कंधे पर चमकदार शॉल लपेटे पद्मराजन ने कहा, सभी उम्मीदवार चुनाव में जीत चाहते हैं लेकिन मैं नहीं। उनके लिए उनकी जीत चुनाव में भाग लेने में है। उन्हें पता है कि उनकी अनिवार्य रूप से हार होगी लेकिन वह हारकर भी खुश होते हैं। उनकी यह रिकॉर्ड लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भारत के सबसे असफल उम्मीदवार के रूप में स्थान अर्जित कर चुकी है। 19 अप्रैल से शुरू होने वाले चुनाव में वह तमिलनाडु के धर्मपुरी जिले की संसदीय सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। पद्मराजन ने राष्ट्रपति से लेकर स्थानीय चुनाव तक देशभर में प्रतिस्पर्धा की है। इन वर्षों में वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से चुनाव हार चुके हैं।

# चुनाव है या घिनौनापन?

**हाल ही में हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनोट और मंडी पर कांग्रेस की सोशल मीडिया प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत व गुजरात कांग्रेस के किसान राज्य संयुक्त समन्वयक एच एस अहीर की आपत्तिजनक पोस्ट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अब तो राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी इसे महिला सम्मान के विरूद्ध बताया और चुनाव आयोग से शिकायत कर तत्काल कार्रवाई की मांग की। वहीं, हिमाचल प्रदेश भाजपा ने भी चुनाव आयोग से शिकायत की है कि यह अपमानजनक टिप्पणी है, जो इंटरनेट मीडिया पोस्ट के रूप में प्रसारित की गई है। यह किसी महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली पोस्ट है। यही नहीं, यह आदर्श आचार संहिता के अनिवार्य दिशानिर्देशों का भी उल्लंघन है। यह सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के साथ भारतीय दंड संहिता के तहत भी अपराध के दायरे में आती हैं। इनकी टिप्पणियां लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत परिभाषित भ्रष्ट आचरण की परिभाषा के अंतर्गत आती हैं।**

हिमाचल प्रदेश में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने इसे देवभूमि हिमाचल का अपमान बताते हुए कहा कि सुप्रिया श्रीनेत की टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण है। दरअसल, कंगना को लेकर पूरा विवाद तब खड़ा हुआ, जब मंडी सीट से भाजपा प्रत्याशी कंगना को लेकर कांग्रेस नेत्री सुप्रिया श्रीनेत के इंस्टाग्राम अकाउंट से अभिनेत्री की तस्वीर के साथ एक आपत्तिजनक पोस्ट की गई, जिसमें लिखा हुआ था कि क्या भाव चल रहा है मंडी में, कोई बताएगा?

यह बात अलग है कि विवाद बढ़ते ही कांग्रेस नेत्री सुप्रिया श्रीनेत ने अपने पोस्ट को हटा दिया और सफाई दी कि उनके मेटा (इंस्टाग्राम व फेसबुक) अकाउंट का संचालन करने वाले किसी दूसरे व्यक्ति से यह गड़बड़ी हुई है। वह किसी महिला को लेकर ऐसी आपत्तिजनक पोस्ट के बारे में सोच भी नहीं सकतीं। वह उस पैरोडी अकाउंट के विरुद्ध कार्रवाई करेंगी, जो उनके नाम का इस्तेमाल कर रहा है।

वहीं, सुप्रिया श्रीनेत की पोस्ट के जवाब में कंगना ने कहा कि, एक कलाकार के रूप में अपने करियर के पिछले 20 वर्षों में मैंने हर तरह की महिलाओं का किरदार निभाया है। हमें अपनी बेटियों को पूर्वाग्रहों के बंधन से मुक्त करना चाहिए। हमें उनके शरीर के अंगों के बारे में जिज्ञासा से ऊपर उठना चाहिए। हर महिला गरिमा और सम्मान की हकदार है।

उधर, सुप्रिया श्रीनेत वाले मामले पर भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा कि अगर आपके (सुप्रिया श्रीनेत) अकाउंट से वही पोस्ट होती है जो पैरोडी अकाउंट पर पोस्ट होती है तो इसका मतलब है कि दोनों अकाउंट के एडमिन एक ही हैं। वहीं, तजिंदर बग्गा ने कहा है कि इन पोस्ट से कांग्रेस का महिला विरोधी चेहरा बेनकाब हुआ है। सुप्रिया श्रीनेत ने कांग्रेस का नेहरूवादी चेहरा दिखाया है। वहीं, शहजाद पूनावाला ने भी सुप्रिया श्रीनेत के पोस्ट को शर्मनाक बताया और कहा कि यह घिनौनेपन से भी आगे है। क्या मल्लिकार्जुन खरगे सुप्रिया श्रीनेत को हटाएंगे? हाथरस वाली लॉबी अब कहाँ है?

वहीं, राष्ट्रीय महिला आयोग ने एक पोस्ट में कहा, आयोग सुप्रिया श्रीनेत और एचएस अहीर के अपमानजनक आचरण से स्तब्ध है, जिन्होंने इंटरनेट मीडिया पर कंगना के बारे में अभद्र व अपमानजनक टिप्पणी की। ऐसा व्यवहार असहनीय व महिलाओं की गरिमा के विरुद्ध है। लेकिन सवाल यह है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भाजपा नेता दिलीप घोष की टिप्पणियों के खिलाफ उसका स्टैंड क्या है? खुद कंगना रनौत का एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें कंगना रनौत बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर को सॉफ्ट पोर्न स्टार कहती हुईं सुनी जा रहीं हैं। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि जिस समाज में इस फूहड़ता की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, तो फिर भाजपा और कंगना सेलेक्टिव क्यों है? समय रहते ही स्पष्ट कर दें, तो बेहतर रहेगा।

क्योंकि एक तरफ तो कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने प्रेस कांफ्रेंस में दो टूक कहा, सार्वजनिक चर्चा में ऐसी भाषा के लिए कोई जगह नहीं है और कांग्रेस का रुख इस मामले में हमेशा स्पष्ट रहा है। जबकि सुप्रिया श्रीनेत ने कहा है कि जिसने भी यह किया है, यह एक गलती है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है और मामले को यहीं खत्म हो जाना चाहिए।

वहीं, दूसरी ओर बंगाल में भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद दिलीप घोष को एक वीडियो क्लिप में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पारिवारिक पृष्ठभूमि का मजाक उड़ाते हुए देखे जाने के बाद गत दिनों विवाद खड़ा हो गया। इस मामले में तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि दिलीप घोष की यह टिप्पणी भाजपा के डीएनए को दर्शाती है। साथ ही एक्स पर क्लिप साझा करते हुए पत्र लिखकर केंद्रीय चुनाव आयोग से इसकी शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।

वहीं, आयोग ने बर्द्धमान-दुर्गापुर सीट से भाजपा उम्मीदवार घोष की टिप्पणी को लेकर जिलाधिकारी से रिपोर्ट मांगी है। हालांकि, वायरल हुई इस वीडियो क्लिप की प्रामाणिकता की पुष्टि होनी अभी बाकी है। बता दें कि भाजपा की बंगाल इकाई के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष को तृणमूल के चुनावी नारे बांग्ला निजेर मेयेके चाई (बंगाल अपनी बेटी चाहता है) का मजाक उड़ाते हुए देखा जा सकता है।

उन्होंने कहा, जब वह (ममता) त्रिपुरा जाती हैं तो कहती हैं कि वह त्रिपुरा की बेटी हैं। जब वह बंगाल में होती हैं तो कहती हैं कि बंगाल की बेटी हैं। इसलिए पहले उन्हें स्पष्ट करने दीजिए, उनके पिता कौन हैं? गौरतलब है कि मेदिनीपुर लोकसभा सीट से मौजूदा सांसद घोष तृणमूल के 2021 के चुनाव नारे बांग्ला निजेर मेयेके चाई का जिक्र कर रहे थे।

उनकी इस टिप्पणी पर बंगाल की महिला एवं बाल विकास मंत्री शशि पांजा ने कहा कि इस टिप्पणी पर उन्हें तुरंत माफी मांगनी चाहिए। वहीं, इस मुद्दे पर राष्ट्रीय महिला आयोग की खामोशी भी समझ से परे है। लोग पूछ रहे हैं कि बिलकिश बानो के दोषियों की रिहाई पर जिनका मुंह नहीं खुला, पहलवान बेटियों की दुर्दशा और दयनीय हालात पर जिनका मुंह नहीं खुला, मणिपुर की उस दुखद और अमानवीय घटना पर जिनका मुंह नहीं खुला, नेहा सिंह राठौर को मियां खलीफा से कंपेयर करने वालों पर जिनका मुंह नहीं खुला, वो अब कह रहे हैं कि सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना रनौत का अपमान किया है, जबकि सुप्रिया श्रीनेत ने पहले ही उस पोस्ट को डिलीट कर दिया है और बता भी दिया है कि यह उनकी सोशल मीडिया टीम की गलती थी। बावजूद इसके बीजेपी ने कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत को तुरंत बर्खास्त करने की मांग की है।

सवाल फिर यही कि महिलाओं के विरुद्ध अनर्गल टिप्पणी के मामले में राष्ट्रीय महिला आयोग जैसी संस्थाएं पिक एंड चूज का रवैया अपनाएंगी तो फिर इस शर्मनाक सियासी प्रवृत्ति से निजात आखिर कैसे मिलेगी?

यही नहीं, भाजपा और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियां भी पिक एंड चूज करके बयानबाजी करेंगी, तो फिर महिलाओं से जुड़े इस ज्वलंत सवाल का क्या होगा, जिस पर चुनाव आयोग से और राजनीतिक दलों से एक स्पष्ट और सर्वमान्य दृष्टिकोण की अपेक्षा की जाती है।

यदि ऐसा नहीं किया गया तो सियासत गर्त में चली जायेगी और उदंडता का महिमामंडन हर ओर होगा, जैसा कि आजाद भारत में एक सियासी परंपरा बन चुकी है।

# घरवाले नहीं माने तो पैदल ही प्रेमी के घर पहुंच गई लड़की...रचाई शादी

उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले के गांव खबरामऊ की एक खबर की खूब चर्चा हो रहा है. सूरज पटेल और गुरसहायगंज कोतवाली के बरगांव निवासी प्रियंका कुशवाहा की शादी इन दिनों सोशल मीडिया में चर्चा का विषय बन गई है. दोनों की मुलाकात करीब एक साल पहले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर हुई थी. जिसके बाद दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई. इस दौरान प्रियंका के परिजनों ने इस प्रेम प्रसंग पर एतराज जताया और पाबंदी लगा दी. लेकिन मंगलवार को प्रियंका घर की सारी पाबंदियां तोड़कर अपने प्रेमी सूरज के घर पहुंच गई. अब शादी के बाद प्रियंका सूरज के घर रहने वाली है.

मामले की जानकारी होते ही सूरज के परिजन हैरान हो गए. जिसके बाद सूरज के परिजनों ने मामले की पूरी जानकारी पुलिस को दी. लेकिन दोनों बालिग थे, इसलिए पुलिस ने उनके मामले से किनारा कर लिया. इसके बाद दोनों ने दौलत धाम मंदिर में भगवान को साक्षी मानकर शादी कर ली.

सूरज पटेल और प्रियंका कुशवाहा की लव स्टोरी की शुरुआत करीब एक साल पहले फेसबुक के जरिए हुई थी. सूरज थाना क्षेत्र के ग्राम खबरामऊ निवासी हैं. जबकि प्रियंका कुशवाहा गुरसहायगंज कोतवाली के बरगांव निवासी हैं. पहले सूरज ने प्रियंका को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी जिसे प्रियंका ने स्वीकार कर लिया. दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई. दोस्ती कब प्यार में बदल गई, उन्हें मालूम नही पड़ा और दोनों ने शादी कर सात जन्मों के बंधन में बंधने का फैसला किया.

इसी बीच प्रियंका के घरवालों को उसके अफेयर की जानकारी हो गई और उन्होंने प्रियंका पर बंदीशें से लगा दी. इसके बाद जब प्रियंका को सूरत से दूर रहना नहीं सहा गया तो उसने अपने गांव से पैदल चलकर ही सूरज के गांव पहुंच गई. फिर सूरज के परिजनों की रजामंदी के बाद दोनों ने मंदिर में जाकर शादी कर सात जन्मों के बंधन में बंध गए. क्षेत्र में यह शादी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है.

# कलेक्टर ने आरा मशीनों का निरीक्षण किया

**उज्जैन। कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में प्रशासनिक अधिकारियों की टीम द्वारा जिले में संचालित आरा मशीनों का निरीक्षण किया गया।**

इस दौरान रविवार को राजस्व अधिकारी उज्जैन ग्रामीण तथा शहर, थाना प्रभारी तथा वन विभाग के अमले के साथ उज्जैन शहर तथा ग्रामीण क्षेत्र में संचालित आरा मशीनों का निरीक्षण किया गया और लाइसेंस न होने के कारण नीलगंगा चौराहा स्थित आरा मशीन सीलिंग की कार्यवाही की गई। उज्जैन ग्रामीण क्षेत्र में पंथ पिपलई में आरा मशीन का लाइसेंस न होने से सीलिंग की कार्यवाही की गई । साथ ही रामघाट के समीप राणोजी की छतरी के समीप की आरा मशीन के कारखाने बंद पाए गए।इस दौरान विगत शनिवार को अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बड़नगर सुश्री शिवानी तरेटिया एवं तहसील बड़नगर वन विभाग की टीम द्वारा तहसील बडनगर में संचालित आरा मशीनों का निरीक्षण कर जांच की गई। जांच के दौरान नियाज अली पिता अब्दुल अली डायवर्सन रोड बड़नगर, बसन्ती लाल पिता चम्पालाल पांचाल रुनिजा रोड बड़नगर और दिनेश पिता भवानी शंकर राठौड़ कसूर रोड बड़नगर पर आरा मशीनों पर अवैध संग्रहण होना पाया गया। उक्त तीनों आरा मशीन संचालको के विरुद्ध मोका पंचनामा बनाया जाकर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। इस दौरान तहसीलदार बड़नगर माला राय, फॉरेस्ट रेंजर ओमप्रकाश देवतवाल, संजय तिवारी एवं राजस्व व वन विभाग टीम उपस्थित थे।

इसी प्रकार गत शनिवार को तराना में संचालित लकड़ी टालों पर राजस्व एवं वनविभाग की संयुक्त कार्यवाही की गई। तराना में सादिक खां रमजानी द्वारा संचालित आरा मशीन पर जांच में अनुज्ञप्ति की वैधता अवधि 31/12/2023 को समाप्त हो जाने व अनुज्ञप्ति नवीनीकृत नहीं होने के कारण एवम काष्ठ के परिवहन संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने के कारण आरा मशीन सीलिंग की गई।

इसी प्रकार अनिशा बी पति रज्जाक की अनुज्ञप्ति की वैधता अवधि 31/12/2023 को समाप्त हो जाने नवीनीकृत नहीं होने के कारण एवं काष्ठ के परिवहन संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने के कारण आरा मशीन सील की गई।

अनुविभागीय अधिकारी महोदय नागदा के नेतृत्व में राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा नागदा शहर में संचालित आरा मशीनों की जांच की गई। शहर में संचालित छः आरा मशीन में से हसन अली पिता इकबाल अली के द्वारा संचालित आरा मशीन पर अनियमितितायें पाई गईं। स्टॉक रजिस्टर का संधारण सही रीति से नहीं होना एवं अनुमति में उल्लेखित से अधिक मात्रा में लकड़ी का भंडारण पाया जाने से अनुविभागीय अधिकारी महोदय के निर्देश पर मौके पर पंचनामा तैयार कर वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा मशीन सील की गई एवं स्टॉक रजिस्टर आदि दस्तावेज जपती लिए गए।

# कुदरत के नियम को तोड़ने पर रक्षक प्रकृति बन जाती भक्षक

**उज्जैन।** इस समय के पूरे समर्थ सन्त सतगुरु दुखहर्ता उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने होली कार्यक्रम में दिए सन्देश में बताया कि जब आप छोटे बन जाओगे, प्रभु पर विश्वास कर लोगे, उनसे प्रेम कर लोगे, उनके हो जाओगे, वो तो आपको अपना मानते ही हैं, तो कोई चीज कहने (मांगने) का ही नहीं रहेगा। उनसे प्रेम होने पर वो प्रेम में आपके लिए सब कुछ करेंगे। प्रेम होने पर जो इच्छा किन्ही मन माहि, यानी इच्छा करते ही वो चीज हाजिर हो जाती है।

दुनिया की चीजें क्या, उपरी लोकों की चीजें भी आसान हो जाती हैं। सेवा का बड़ा लाभ मिलता है। कर्मों की सजा से आज तक कोई बच नहीं पाया। यदि लोगों को कुदरत की सजा मिलने लग गयी, यही कुदरत जो रक्षक है।

यही अगर भक्षक बन गयी, यही सूरज जो रौशनी, गर्मी दे कर विकारों को, अँधेरे को दूर करता है, यही सूरज की रौशनी अगर तेज हो गयी।

सुबह अगर दोपहर जैसी गर्मी जब हो जाएगी, दोपहर में ये शरीर जलने तपने लगेगा, खालें जैसे गर्म पानी पड़ने पर उजड़ जाती है।

वैसे जब उजड़ने लगेगी तब? तो ये ही रक्षक हैं। जब इनके नियम का उल्लंघन हो जाता है, तो ये भक्षक हो जाते हैं। यही (जीवनदायी) हवा, लू शीतलहर के रूप में तकलीफदाई हो जाती है, यही पानी उपर जाकर ओला पत्थर के रूप में गिरने लग गया तब कोई आदमी, जानकार, फसल बचेगा? तो लोगों को इनकी नाराजगी से बचाना है। इन देवताओं को खुश रखना है। भगवान ने पेड़ पौधे, मनुष्य के लिए बनाए, जो दूषित हवा को साफ करते, अगर इन्हें काट दोगे तो कहां से ऑक्सीजन मिलेगी? जो जानवर, कीड़े-मकोड़े आदमी की रक्षा के लिए बनाए गए उन्ही को जब मार करके खा जाओगे तो कहां से आदमी की रक्षा होगी? चाहे लोग कितने भी धार्मिक बन जाए लेकिन यह जो जीव हत्या का पाप कर्म है, जिस शरीर में दया धर्म, परोपकार, सेवा भावना, सच्चाई न हो, उसके अंदर वह प्रभु कैसे निवास कर पाएगा, कैसे प्रभु की दया उसे मिलेगी?

आगे समय खराब आएगा। अगर लोग नहीं मानेंगे, और आप जो लोग सुन (पढ़) रहे हो, आप भी अगर एक कान से सुनकर दूसरे से निकाल दोगे, और यदि खराब समय से लड़ने लायक अपने आप को नहीं बनाओगे, अपनी आत्मा को बलवान ताकतवर नहीं बनाओगे तो (असर) आपके, हमारे, किसी के भी ऊपर आ सकता है। जैसे कोई अपराध करता है और फल दूसरे को मिल जाता है, कैसे? जैसे पड़ोस के घर में आग लग गई, और आपके घर पर जयगुरुदेव लिखा हुआ है, गुरु की फोटो लगी है।

ध्यान भजन करते हो, तो घर आपका भले ही न जाले लेकिन आप घर से भागोगे जरूर क्योंकि लोग कहेंगे भागो-भागो नहीं तो जल जाओगे इसमें और आप घर से बाहर निकलने लग गए।

बाहर, अगल-बगल के घर में, सामने आग लगी है, आप निकाल करके जाओगे तो भले ही जलो न, लेकिन शरीर तो झुलासेगा ही, असर तो आएगा ही। इसलिए आप लोगों को बचाओ, प्रकृति के नियम के खिलाफ जो काम कर रहे हैं उनको समझाओ, बताओ उनका नाम से जोडो।

# फाग उत्सव की धूम

**उज्जैन।** भगवान श्री कृष्ण और उनके प्रिय मित्र सुदामा के दर्शनीय स्थल नारायणा धाम में फाग उत्सव की धूम रही। सुबह से लेकर शाम तक हजारों की संख्या में श्रद्धालुजन नारायणा धाम पहुंचे और भगवान श्री कृष्ण सुदामा के दर्शन करते हुए फाग उत्सव में शामिल हुए। फाग उत्सव में डेढ सौ क्विंटल फूल और पचास क्विंटल गुलाल का किया गया उपयोग किया गया।

उल्लेखनीय है कि नारायणा धाम में भगवान श्री कृष्ण और सुदामा की दो मौली लगी हुई है जो कि अति प्राचीन है। फाग उत्सव में पूर्व विधायक रामलाल मालवीय विधायक महेश परमार वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी विजय सिंह गौतम, ईश्वर शर्मा, विजय सिंह चौहान विक्रम शर्मा टीकम शर्मा, प्रेमनारायण शर्मा, सुभाष शर्मा, बाबूलाल पटेल, केसरसिंह पटेल, अशोक पांचाल, किशोर पांचाल, रामसिंह सोलंकी, सुनील पटेल, अशोक आंजना, डॉ. मोहनलाल शर्मा, रामप्रसाद गोयल, पवन गोयल, रामकरण कटारिया, अमृतलाल समेत बड़ी संख्या में दूर दराज से आए श्रद्धालुजन शामिल हुए जब भगवान श्रीकृष्ण सुदामा गुरु सांदीपनि के यहां पर शिक्षा ग्रहण करने आए थे। उस दौरान दोनों अपने गुरु की आज्ञा से लकड़ियां लेने के लिए यहां पर पहुंचे थे नारायणा धाम से डेढ़ किलोमीटर दूर पर्वत है वहीं से लकड़ियों के दोनों गट्टे नारायणा धाम में लाकर रखे थे जो मौली के रूप में मौजूद है। यह स्थान देशभर में प्रसिद्ध है और यहां पर दर्शन करने के लिए देशभर से लोग समय-समय पर आते हैं। नारायणा धाम दर्शनीय स्थल के अलावा रमणीक स्थल के रूप में भी धीरे-धीरे विकसित हो रहा है।

# अग्रवाल डायमंड दिवास ने मनाया फाग उत्सव

**उज्जैन।** अग्रवाल डायमंड दिवास द्वारा फाग उत्सव का आयोजन पुरे हर्षोउल्लास एवं धुमधाम से किया गया। जिसमें ग्रुप की सभी महिला सदस्यों ने सहभागिता की। ग्रुप की संस्थापिका रूपाली पंकज अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में वृन्दावन से आमंत्रित कलाकारों ने फाग की अद्भुत प्रस्तुति, राधाकृष्ण के साथ होली एवं रंगारंग कार्यक्रम कर सभी को मंत्र मुग्ध किया। इस अवसर पर अग्रवाल पंचायत न्यास के न्यासीगण महिला मंडल की अध्यक्ष, सचिव समाज सेवी

सरोज अग्रवाल, संजय अग्रवाल एवं ग्रुप के सदस्य रूपाली अग्रवाल, वंदना, नीता अग्रवाल, नेहा निशा हरभजनका, बबीता, नमिता, वीना अग्रवाल, आरती ऐरन, नेहा, बबीता मित्तल, परिधि, निधि, प्रियंका अग्रवाल, दिव्या, किरण, चन्दा गर्ग सहित सभी सदस्य उपस्थित थे।

# कांग्रेस ने आजादी के बाद से ही हिन्दू-मुस्लिमों को लड़ाया : मुख्यमंत्री

**बड़वानी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यदि आप बिजली का बिल नहीं भरोगे तो आपके पास बार-बार नोटिस आएगा। पैनल्टी के साथ यदि भुगतान नहीं किया तो आपका कनेक्शन कटना तय है।**

इसी तरह से कांग्रेस ने अपना हिसाब नहीं रखा और इनका कनेक्शन कट गया तो हम क्या करें। कानून के आधार पर हम देश चलाना चाहते हैं, इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि न खाऊंगा और न ही खाने दूंगा। कांग्रेस पार्टी के लोग खाने में व्यस्त हैं और हमारी पार्टी अब चुप नहीं बैठेगी। कांग्रेस ने आजादी के बाद से हिन्दू-मुस्लिमों को आपस में लड़वाया। यह वही कांग्रेस है जिसने श्रीराम मन्दिर के मामले को हवा दी थी कि राम मंदिर बनेगा तो देश में हिन्दू-मुस्लिमों के बीच दंगे होंगे तथा कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटेगा तो खून की नदियां बह जाएगी। लेकिन हम सौभाग्यशाली लोग हैं की प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कांग्रेस के झूठ का पर्दाफाश होते देखा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को बड़वानी में कार्यकर्ताओं की बैठक एवं सामाजिक समरसता संवाद को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में कश्मीर आज विकास की मुख्य धारा से जुड़ गया है, इसलिए कश्मीर के साथ ही पाक अधिकृत कश्मीर के लोग भी बोल रहे हैं कि हमको भी हिंदुस्तान में मिलना है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम से पूर्व पण्डित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि भाजपा दुनिया का सबसे बड़े राजनीतिक दल है और यह सब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ही सम्भव हो पाया है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने के लिए केंद्रीय मंत्री का पद छोड़कर आंदोलन करते हुए अपना बलिदान दे दिया। इसलिए हम सभी कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर 370 नए मतदाता पार्टी से जोड़कर डॉ. मुखर्जी के चरणों में 370 कमल पुष्प अर्पित करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज विश्व में देश का गौरव बढ़ाया है। भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

देश में असाध्य समझी जाने वाली समस्याएं मोदी ने प्रधानमंत्री बनते ही हल कर दिया है। चाहे वह अनुच्छेद 370 हो, भव्य राम मंदिर का विषय हो, ट्रिपल तलाक से मुस्लिम बहनों को आजादी हो, देशहित में प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसे अनेक उल्लेखनीय कार्य किये हैं।

विगत 10 वर्षों में जन हितैषी योजनाओं से सरकार पर जनता का विश्वास बढ़ा है, भाजपा सरकार के पक्ष में देश में ऐतिहासिक वातावरण है। मोदी के 10 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को लेकर हमें जनता तक पहुंचना है।

बस इस विश्वास को पोलिंग बूथ तक ले जाकर मत के रूप में परिवर्तित करवाना और लाभार्थियों को मोदी की राम-राम पहुंचा कर

400 पार के लक्ष्य को प्राप्त करना है। डॉ. यादव ने कहा कि कांग्रेस विभाजन करने वाली पार्टी है। देश मे दो प्रकार की विचार धारा हैं। एक देश को मजबूत करने वाली और दूसरी कमजोर करने वाली।

# सी-विजिल एप से हो रहा शिकायतों का त्वरित निराकरण

**उज्जैन।** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श चुनाव आचरण संहिता लागू होते ही सी-विजिल एप पर शिकायतें प्राप्त होने लगी हैं। 22 मार्च तक प्रदेश के सभी जिलों से इस एप के माध्यम से कुल 173 शिकायतें प्राप्त हो चुकीं हैं। इन सभी शिकायतों का त्वरित निराकरण कर दिया गया है। श्री राजन ने प्रदेश के नागरिकों से अनुरोध किया है कि यदि वे निर्वाचन में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी प्रकार की सीधी शिकायत करना चाहते हैं, तो वे सी-विजिल एप के माध्यम से कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित नागरिक को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर सी-विजिल एप डाउनलोड करना होगा। इसके लिए नागरिक को ऐसी किसी भी घटना की जानकारी होने पर फोटो या वीडियो सी-विजिल एप पर अपलोड करना होगा। शिकायत मिलने पर अगले 100 मिनट के भीतर कार्यवाही की जाएगी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श चुनाव आचरण संहिता के उल्लंघन वाली शिकायतों के निवारण के लिए सी-विजिल एप तैयार किया गया है। इस एप के जरिए कोई भी नागरिक राजनैतिक दलों या प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए किसी भी तरह से धन, सामग्री, कपड़े, जेवरात आदि का वितरण करने, मतदाताओं को उनके पक्ष में मतदान करने के लिए धमकाने, मतदाताओं को स्वयं के वाहन से परिवहन करने, किसी भवन स्वामी की अनुमति के बिना उसके भवन या दीवारों पर प्रचार सामग्री लगाने या दीवार पर विज्ञापन लिखवाने सहित अन्य प्रकार की शिकायत कर सकता है।

# खुशी और उत्साह का प्रतीक रंगों का पर्व होली

खुशी और उत्साह का प्रतीक रंगों का पर्व होली न केवल सभी को रंगों से खेलने का अवसर प्रदान करता है बल्कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में परिवार और दोस्तों के साथ कुछ पल सुकून के साथ बिताने का समय भी प्रदान करता है। हमारे प्रत्येक त्योहार, व्रत, परम्परा और मान्यताओं में एक खास संदेश निहित है। होली भी हमारे जीवन में रंगीनियत भरते हुए उसे फिर से खुशियों से सराबोर करती है और खुलकर जीने का अहसास कराती है। यह पर्व आसुरी शक्तियों पर देवत्व की विजय का प्रतीक पर्व है, जो हमें नकारात्मकता को छोड़ सकारात्मकता को अपनाते हुए उसके संग उत्सव मनाने का संदेश देता है। गिले-शिकवे भुलाकर खुशियां बांटने का पर्व है होली, इसलिए संबंधों को मजबूत बनाने और यदि किसी भी प्रकार की कड़वाहट चल रही है तो यह पर्व उसे भी भुलाकर पास आने का बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। जीवन में खुशियों के रंग घोलता होली का त्योहार आपसी भाईचारे और सद्भावना का संदेश देता है।

रंगों के इस त्यौहार पर भला कौन ऐसा व्यक्ति होगा, जो आपसी द्वेषभाव भुलाकर रंग-बिरंगे रंगों में रंग जाना नहीं चाहेगा लेकिन रंगों का असली मजा भी तभी है, जब रंगों का रचनात्मक उपयोग किया जाए और होली खेलने के लिए भी केवल सुरक्षित और प्राकृतिक रंगों का ही उपयोग करें। दरअसल लोग एक-दूसरे पर रंग डालकर, गुलाल लगाकर अपनी खुशी का इजहार तो करते हैं लेकिन होली के दिन प्राकृतिक रंगों के बजाय चटकीले रासायनिक रंगों का बढ़ता उपयोग चिंता का बड़ा कारण बनने लगा है। बाजार में बिकने वाले अधिकांश रंग अम्लीय अथवा क्षारीय होते हैं, जो व्यावसायिक उद्देश्य से ही तैयार किए जाते हैं और थोड़ी सी मात्रा में पानी में मिलाने पर भी बहुत चटक रंग देते हैं, जिस कारण होली पर इनका उपयोग अंधाधुंध होता है। ऐसे रंगों का त्वचा पर बहुत हानिकारक प्रभाव पड़ता है। इसलिए बेहतर यही है कि या तो बाजार से अच्छी गुणवत्ता वाले हर्बल रंग-गुलाल ही खरीदें या इन्हें घर पर ही स्वयं तैयार करें। शुष्क त्वचा वाले लोगों और खासकर महिलाओं तथा बच्चों की कोमल त्वचा पर अम्लीय रंगों का सर्वाधिक दुष्प्रभाव पड़ता है। अम्ल तथा क्षार के प्रभाव से त्वचा पर खुजलाहट होने लगती है और कुछ समय बाद छोटे-छोटे सफेद रंग के दाने त्वचा पर उभरने शुरू हो जाते हैं, जिनमें मवाद भरा होता है। यदि तुरंत इसका सही उपचार कर लिया जाए तो ठीक, अन्यथा त्वचा संबंधी गंभीर बीमारियां भी पनप सकती हैं। घटिया क्वालिटी के बाजारू रंगों से एलर्जी, चर्म रोग, जलन, आंखों को नुकसान, सिरदर्द इत्यादि विभिन्न हानियां हो सकती हैं। कई बार होली पर बरती जाने वाली छोटी-छोटी असावधानियां भी जिंदगी भर का दर्द दे जाती हैं। इसलिए यदि आप अपनी होली को खुशनुमा और यादगार बनाना चाहते हैं तो इन बातों पर अवश्य ध्यान दें। रासायनिक रंगों के स्थान पर प्राकृतिक रंगों का ही इस्तेमाल करें। ज्यादातर बाजारू रंगों में इंजन ऑयल तथा विभिन्न घातक केमिकल मिले होते हैं, जिनका त्वचा पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। होली खेलने से पहले चेहरे तथा पूरे शरीर पर सरसों अथवा नारियल का तेल या कोल्ड क्रीम अथवा सनस्क्रीन क्रीम लगा लें ताकि रोमछिद्र बंद हो जाएं और रंग त्वचा के ऊपरी हिस्से पर ही रह जाएं। इससे होली खेलने के बाद त्वचा से रंग छुड़ाने में भी आसानी होगी। होली खेलने से पहले बालों में अच्छी तरह तेल लगा लें और नाखूनों पर कैस्टर ऑयल लगाएं ताकि बाद में रंग आसानी से छुड़ाया जा सके। होली खेलने जाने से पूर्व आंखों में गुलाब जल डालें और जहां तक संभव हो, आंखों पर चश्मा लगाकर होली खेलें ताकि रंगों का असर आंखों पर न पड़ सके।

होली खेलने के तुरंत बाद स्नान अवश्य करें लेकिन त्वचा से रंग छुड़ाने के लिए कपड़े धोने के साबुन, मिट्टी के तेल, चूने के पानी, दही, हल्दी इत्यादि का प्रयोग हानिकारक है। चेहरे पर लगे गुलाल को सूखे कपड़े से अच्छी तरह पोंछ लें और रंग लगा हो तो नारियल तेल में रूई डुबोकर अथवा क्लींजिंग मिल्क से हल्के हाथ से त्वचा पर लगा रंग साफ करें। रंग छुड़ाने के लिए नहाने के पानी में थोड़ी सी फिटकरी डाल लें और ठंडे पानी से ही स्नान करें। गर्म पानी से रंग और भी पक्के हो जाते हैं। डिटर्जेंट सोप के बजाय नहाने के अच्छी क्वालिटी के साबुन का उपयोग किया जा सकता है। स्नान के बाद भी त्वचा पर खुजली या जलन महसूस हो तो गुलाब जल में ग्लिसरीन मिलाकर लगाएं। बालों से रंग छुड़ाने के लिए बालों को शैम्पू करें। स्नान के बाद आंखों में गुलाब जल डालें। होली खेलते समय यदि आंखों में रंग चला जाए अथवा आंखों में जलन महसूस हो तो आंखों को मलें नहीं बल्कि तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से मिलें। महिलाएं होली खेलते समय मोटे तथा ढ़ीले-ढ़ाले सूती तथा गहरे रंग के वस्त्र पहनें। सफेद अथवा हल्के रंग के वस्त्र पानी में भीगकर शरीर से चिपक जाते हैं, जिससे सार्वजनिक रूप से महिला को शर्मिन्दगी का सामना करना पड़ सकता है।

# महाकाल के गर्भगृह में भड़की आग से सबक, रंगपंचमी के लिए नया आदेश जारी

**उज्जैन। होली के त्योहार पर उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में भस्म आरती के वक्त गुलाल उड़ाए जाने के दौरान लगी आग से 14 लोगों के झुलसने की घटना से सबक लेते हुए प्रशासन रंगपंचमी के 30 मार्च को पड़ने वाले पर्व पर अलग-अलग एहतियाती उपाय करेगा। इनमें रंगपंचमी पर मंदिर में केवल हर्बल रंग को अनुमति दिए जाने के साथ ही भस्म आरती के दौरान श्रद्धालुओं की तादाद नियंत्रित किया जाना शामिल है। प्रशासन के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।**

उज्जैन के जिलाधिकारी नीरज कुमार सिंह ने बताया, होली के साथ ही रंगपंचमी पर भी महाकालेश्वर मंदिर में रंगों का त्योहार मनाया जाता है। हमने तय किया है कि श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति रंगपंचमी पर टेसू (पलाश) के फूलों से बने हर्बल रंग का इंतजाम करेगी। उन्होंने बताया कि रंगपंचमी पर मंदिर परिसर में किसी भी श्रद्धालु को बाहर से रंग लाने की अनुमति नहीं होगी। यह भी बताया कि सुबह के समय होने वाली भस्म आरती के दौरान रंग पंचमी पर श्रद्धालुओं की तादाद को नियंत्रित किया जाएगा।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सोमवार को आशंका जताई थी कि उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में होली के दौरान रसायनयुक्त गुलाल उड़ाए जाने से आग भड़की होगी। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी कहा था कि अग्निकांड की विस्तृत छानबीन की जा रही है और इस आशंका को लेकर भी जांच की जाएगी कि मंदिर के गर्भगृह में उड़ाए गए गुलाल में अभ्रक या कोई रसायन होने से तो आग नहीं भड़की।

इस बीच, इंदौर के श्री अरबिंदो इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (सैम्स) के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. विनोद भंडारी ने बताया कि महाकालेश्वर मंदिर में हुए अग्निकांड में झुलसे लोगों में शामिल चार और लोगों को उनके अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया, हम अग्निकांड में झुलसे कुल 12 लोगों का इलाज कर रहे हैं। सभी मरीजों के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। विशेषज्ञ चिकित्सक उनकी हालत पर नजर बनाए हुए हैं।

# क्यों खास है भस्म आरती?

**उज्जैन।** होली के त्योहार पर उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में सोमवार सुबह जिस भस्म आरती के दौरान आग लगने की घटना घटी उसका (उस भस्म आरती का) बड़ा धार्मिक महत्व है।

उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर भगवान शिव के 12 पवित्र ज्योतिर्लिंगों में एक है तथा इस मंदिर में प्रतिदिन तड़के की जाने वाली भस्म आरती का बड़ा धार्मिक महत्व है। इसका गवाह बनने के लिए देश-दुनिया के भक्त उज्जैन पहुंचते हैं। शिव भक्तों में भस्म आरती के प्रति गहरी आस्था का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि इस धार्मिक कर्मकांड के दौरान महाकालेश्वर मंदिर में इस कदर भीड़ उमड़ती है कि पैर रखने तक की जगह नहीं मिलती। अहले सुबह चार बजे शुरू होने वाली भस्म आरती के लिए रात एक बजे से महाकाल मंदिर परिसर में भक्तों की कतार लगनी शुरू हो जाती है क्योंकि वे गर्भगृह के ठीक सामने बैठकर भस्म आरती के दौरान महाकालेश्वर के अच्छे से दर्शन करना चाहते हैं। भस्म आरती के दौरान केवल पुजारी गर्भगृह में मौजूद रहते हैं और किसी भी भक्त को इसमें दाखिल होने की अनुमति नहीं होती है।

**क्या है भस्म आरती**

जैसा कि नाम से स्पष्ट है कि भस्म आरती के दौरान भस्म यानी राख से भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग की आरती की जाती है। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक भगवान शिव को श्मशान के साधक के रूप में भी देखा जाता है और भस्म को उनका श्रृंगार भी कहा गया है। जिस भस्म से महाकालेश्वर की आरती की जाती है, उसे गाय के गोबर से बने उपले को जलाकर तैयार किया जाता है। किंवदंतियों के मुताबिक, वर्षों पहले महाकालेश्वर की आरती के लिए जिस भस्म का इस्तेमाल किया जाता था, वह श्मशान से लाई जाती थी। हालांकि, मंदिर के मौजूदा पुजारी इस बात को खारिज करते हैं। भस्म आरती की प्रक्रिया करीब दो घण्टे चलती है। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महाकालेश्वर का पूजन और श्रृंगार किया जाता है। प्रक्रिया के अंत में भगवान शिव को भस्म अर्पित करके उनकी आरती गाई जाती है। इस दौरान घण्टे की नाद और महाकाल की भक्ति में डूबे लोगों के सामूहिक स्वर में आरती गाने से माहौल बेहद भक्तिमय हो जाता है।

## राम नाम मंच पर राममय हुआ अ.भा. कवि सम्मेलन

**उज्जैन।** होली की पूर्व संध्या पर मालीपुरा सांस्कृतिक समिति द्वारा 77वां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मालीपुरा के कलाकारों ने मंच को राममय बनाया जहां सम्मेलन में देश के नामी कवियो ने भी भगवान राम पर आधारित अपनी रचनाएं सुनाई। मालीपुरा में 1100 किलो पुष्पों से मंच को सजाया। इस दौरान 11 कार सेवकों का सम्मान किया गया। संरक्षक सत्यनारायण चौहान ने बताया कि कवि सम्मेलन में अतिथि के रूप में सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, महापौर मुकेश टटवाल, पूर्व विधायक पारस जैन, पार्षद योगेश्वरी राठौर, पूर्व निगम सभापति सोनू गेहलोत, वरिष्ठ नेता योगेश शर्मा, पार्षद सुशील श्रीवास, सारवानजी मौजूद रहे। संरक्षक सत्यनारायण चौहान, अध्यक्ष राकेश चौहान, सचिव मुकेश हारोड़ द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। रविवार रात हुए कवि सम्मेलन के सूत्रधार कवि अशोक भाटी रहे। संचालन जयपुर के हास्य कवि कमल मनोहर ने किया।

## धूमधाम से मना धुलेडी पर्व

**उज्जैन।** उन्हेल रोड स्थित ग्राम चकरावदा में धुलेडी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही बच्चों से लेकर युवा एवं वरिष्ठों में होली पर्व के प्रति उत्साह देखा गया। गांव में स्थित अति प्राचीन चक्रेश्वर महादेव मंदिर में ग्राम वासियों द्वारा पूजा अर्चना की गई। गांव में परंपरा अनुसार चूल का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम पूरोहित जी द्वारा गांव के मुखिया से चक्रेश्वर महादेव एवं चूल का पूजन अर्चन करवाया गया।

## जिले में स्थानीय अवकाश घोषित

**उज्जैन। मध्य प्रदेश शासन की अधिसूचना द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह ने वर्ष 2024 के लिये जिले की तहसीलों में स्थानीय अवकाश घोषित किये हैं। आदेश के तहत सम्पूर्ण उज्जैन जिले में शनिवार 30 मार्च को रंगपंचमी, मंगलवार 27 अगस्त को तहसील बड़नगर में भादवा के प्रथम सोमवार सवारी के दूसरे दिन, सोमवार 2 सितम्बर को उज्जैन व घट्टिया तहसील में महाकालेश्वर की शाही सवारी के अवकाश घोषित किये हैं। इसी तरह सोमवार 2 सितम्बर को तराना तहसील में श्री तिलभांडेश्वर महादेव की शाही सवारी एवं तराना में ही शुक्रवार 13 सितम्बर को तेजा दशमी का स्थानीय अवकाश घोषित किया है। इसी तरह शुक्रवार 11 अक्टूबर को दुर्गा अष्टमी/नवमी के उपलक्ष्य में तहसील महिदपुर, खाचरौद, नागदा में व शुक्रवार 1 नवम्बर को दीपावली के दूसरे दिन तहसील उज्जैन, घट्टिया, खाचरौद, महिदपुर, बड़नगर, नागदा में स्थानीय अवकाश घोषित किये गये हैं।**

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नक्षत्र के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)। (म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)